University in News on 20 February 2025

HINDUSTAN PAGE 7

एलयूः आवासीय चिकित्सा अधिकारी के आवेदन शुरू

जॉब्स

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में आवासीय चिकित्साधिकारी के पांच पदों पर नियुक्ति के लिए दोबारा ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। एलयू की वेबसाइट के करियर मेन्यू पर जाकर आवेदन पत्र देख सकेंगे। साथ ही समर्थ पोर्टल के जरिए भी आवेदन कर सकेंगे। विवि में आवासीय चिकित्साधिकारी एलोपैथिक के चार पद और होम्योपैथी का एक पद रिक्त है। जिसके लिए इच्छुक अभ्यर्थी 28 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं। इस संबंध में कुलसचिव की ओर से विज्ञापन जारी कर दिया गया है।

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि इन पदों के लिए जिन्होंने 22 जुलाई 2024 तक समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर रखा है, उन्हें दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने बताया कि सामान्य और ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क एक हजार रुपए और एससी अभ्यर्थियों के लिए 500 रुपए देय होगा। जारी विज्ञापन में एलोपैथिक चिकित्साधिकारी के लिए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त संस्थान से एमबीबीएस डिग्रीधारक आवेदन का पात्र होगा। साथ ही चिकित्सा या स्वास्थ्य सेवा में पीजी डिग्री या डिप्लोमा धारक भी समकक्ष माना जाएगा। इसी तरह होम्योपैथी चिकित्साधिकारी के लिए भी बैचलर डिग्री इन होम्योपैथी को आधार बनाया गया है। अधिक जानकारी के लिए आवेदक वेबसाइट देख सकते हैं।

05 पदों पर नियुक्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

- एलोपैथिक और होम्योपैथी चिकित्साधिकारी के लिए 28 तक आवेदन का मौका

आयु सीमा 21 से 40 वर्ष

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इस बारे में बताया कि आवेदक की आयु सीमा 21 से 40 वर्ष तय की गई है। जिसमें प्रदेश सरकार के नियमों के तहत आरक्षित वर्ग के आवेदकों को अधिकतम आयु सीमा में छूट प्रदान की जाएगी। जानकारी के अनुसार बता दें कि आवासीय चिकित्साधिकारी का वेतनमान 15,600 से 39,100 रुपए और 5400 ग्रेड पे होगा।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि में चिकित्सकों की भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की डिस्पेंसरी में चिकित्सकों के सृजित पांच पदों पर नियुक्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थी लविवि की वेबसाइट के कॅरिअर मेन्यू पर आवेदन पत्र देखने के साथ ही समर्थ पोर्टल से आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में कुलसचिव कार्यालय की ओर से वेबसाइट पर अधिसूचना अपलोड कर दी गई है। अभ्यर्थी 28 फरवरी तक आवेदन कर सकते हैं।

अधिसूचना के मुताबिक, सामान्य और ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क एक हजार रुपये और अनुसूचित जाति और जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 500 रुपये होगा। एलोपैथिक चिकित्साधिकारी के लिए मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता प्राप्त संस्थान से एमबीबीएस डिग्रीधारक आवेदन का पात्र होगा। चिकित्सा या स्वास्थ्य सेवा में पीजी डिग्री या डिप्लोमा धारक भी समकक्ष माना जाएगा। इसी तरह होम्योपैथी चिकित्साधिकारी के लिए बैचलर डिग्री इन होम्योपैथी को आधार बनाया गया है।

छात्रों को 24 घंटे इलाज मिलेगा पांच डॉक्टरों की होगी नियुक्ति

5400 रुपये ग्रेड पे होगा देय

कुलसचिव की अधिसूचना के मुताबिक, आवेदक की आयु सीमा 21 से 40 वर्ष तय की गई है। इसमें प्रदेश सरकार के नियमों के तहत आरक्षित वर्ग के आवेदकों को छूट दी जाएगी। आवासीय चिकित्साधिकारी का वेतनमान का ग्रेड पे 5400 रुपये होगा।

लविवि विषम सेमेस्टर के छह कोर्स के परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक और परास्नातक स्तर के कई विषयों का परिणाम बुधवार को घोषित किया गया।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एलएलबी पांच वर्षीय 2017 बैच के नौवें सेमेस्टर, एलएलबी पांच वर्षीय एनईपी के पांचवें सेमेस्टर, एमए वेस्टर्न हिस्ट्री, ड्राइंग एंड पेंटिंग प्रथम व तृतीय सेमेस्टर, बीकॉम सातवें सेमेस्टर का परिणाम जारी किया गया है। (संवाद)

लविवि ने केकेसी को क्रिकेट में दी मात

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर क्रिकेट लीग हुई। शिवाजी मैदान पर खेले गए मैच में लविवि और केकेसी की टीम के बीच कड़ी भिड़ंत हुई। इसमें लविवि की टीम ने जीत दर्ज की।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने विजेता और उपविजेता टीम को सम्मानित किया। इस दौरान क्रीड़ा परिषद के महासचिव प्रो. अजय आर्य, प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. केया पांडेय, प्रो. महेंद्र अग्निहोत्री आदि थे। (संवाद)

विदेश नीति में अटल जी के योगदान को किया रेखांकित

लखनऊ। लविवि के लोक प्रशासन विभाग में बुधवार को भारत-पाक द्विपक्षीय संबंधों पर अटल जी की नीतियों के प्रभाव विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य वक्ता बीबीएयू में राजनीति शास्त्र विभाग के शिक्षक प्रो. रिपुसूदन सिंह ने पाकिस्तान के अस्तित्व, उद्भव और भारत के वर्तमान विदेश नीति पर अटल जी के नीतियों का विश्लेषण किया। इस मौके पर डॉ. वैशाली सक्सेना, डॉ. नंदिता कौशल, डॉ. सुशील चौहान आदि उपस्थित रहे। वहीं, एकेटीयू में सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज ने भी भारत-पाक संबंधों पर संगोष्ठी की। इस दौरान उपकुलसचिव डॉ. आरके सिंह, डॉ. विनय चतुर्वेदी, डॉ. गजेंद्र गुप्ता आदि उपस्थित थे। (संवाद)

प्रो. कमल बने एमएमटीटीसी के निदेशक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षक प्रो. कमल कुमार को मिशन मालवीय टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर (एमएमटीटीसी) का निदेशक बनाया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अनुमति के बाद कुलसचिव ने बुधवार को इसका आदेश जारी कर दिया। वह तीन वर्षों तक इस पद पर बने रहेंगे। (संवाद)

प्रो. गीतांजलि को मिली फेलोशिप

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में प्राणि विज्ञान विभाग की शिक्षक और डीन एकडमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा को रॉयल एंटोमोलॉजिकल सोसाइटी (आरईएस) यूके की प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। इस फेलोशिप को पाने वाली वह विवि की पहली संकाय सदस्य बन गई हैं। प्रो. गीतांजलि के मुताबिक लेडीबर्ड बीटल पर किए गए विकासवादी अध्ययन ने उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय मान्यता का पात्र बनाया है। (संवाद)

NBT PAGE4

हबीबुल्लाह के उसी कमरे में पहुंचे परिवहन मंत्री, जहां कभी पढ़ते थे

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह बुधवार को एलयू में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे तो हबीबुल्लाह हॉस्टल के 29 नंबर कमरे में जाकर यादें ताजा कीं। इस दौरान हॉस्टलर्स के साथ फोटो खिंचाई और बताया कि विवि में पढ़ने के दौरान इसी कमरे में रहते थे।

इंटर हॉस्टल फेस्ट का उद्घाटन कर बस देने का वादा किया

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह के साथ वीसी प्रो. आलोक राय भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

इंटर हॉस्टल फेस्ट का आगाज करते हुए मंत्री ने हॉस्टलों में सुविधाओं की बढ़ोतरी के लिए आर्थिक मदद के साथ ही विवि को एक बस देने का भी वादा किया है। विवि में शुरू हुए इंटर हॉस्टल फेस्ट के तहत अगले दस दिनों तक विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी। पहले दिन वॉलीवॉल प्रतियोगिता में चंद्रशेखर गर्ल्स हॉस्टल की टीम ने कैलाश हॉस्टल की टीम को हराया। वहीं, वॉयज हॉस्टलों में महमूदाबाद, आचार्य नरेन्द्र देव, होमी जहांगीर भाभा, लाल बहादुर शास्त्री, कौटिल्य, सुभाष छात्रावासों की टीम ने प्रतिभाग किया। इसमें महमूदाबाद एवं कौटिल्य हॉस्टल की टीम ने जीत दर्ज करवाते हुए फाइनल में प्रवेश किया। वीसी प्रो. आलोक राय ने बताया कि अगले दस दिनों में सोलो डांस, ग्रुप डांस, सोलो सिंगिंग, मुशायरा, रंगोली तथा कुकिंग समेत कई प्रतियोगिताएं होंगी।

अब LU के हर विभाग में मूक कोर्सों के लिए मेंटर

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (मूक) के लिए अब हर विभाग में एक मेंटर बनाया गया है। इन्हें स्टूडेंट्स तक कोर्सों की जानकारी पहुंचाने का जिम्मा सौंपा गया है। वीसी प्रो. आलोक राय की तरफ से 49 विभागों में एक-एक शिक्षक को यह जिम्मा दिया गया है। यूजीसी की तरफ से मूक कोर्सों को अनिवार्य किया जा चुका है। एलयू तरफ से व्यवस्था पहले ही लागू हो चुकी है। हालांकि स्टूडेंट्स दाखिले नहीं ले रहे हैं। ऐसे में ज्यादा से ज्यादा एनरॉलमेंट के लिए अब हर विभाग में मेंटर बनाए गए हैं। साथ ही हर टॉपिक के कई पेपर ऑनलाइन है। ऐसे में सिलेबस के मुताबिक कौन सा कोर्स उपयुक्त है, इसकी जानकारी भी अब मेंटर देंगे। सेमेस्टर की शुरुआत में जितने स्टूडेंट्स ऑनलाइन कोर्स में दाखिला लेंगे, उसकी जानकारी परीक्षा विभाग को दी जाएगी, ताकि उनके क्रेडिट एग्जाम में जोड़े जा सकें।

JAGRAN CITY PAGE III

फाइनल में पहुंची महमूदाबाद और कौटिल्य हाल की टीम

जागरण संवाददाता, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रावासों में एक अलग ही नजारा रहा। बुधवार को हबीबुल्लाह छात्रावास में इंटर हास्टल कंपटीशन फेस्ट शुरू हुआ। इसमें जैसे ही कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और मुख्य अतिथि परिवहन मंत्री दया शंकर सिंह ने मशाल जलाकर व गुब्बारे उड़ाकर फेस्ट के शुभारंभ की घोषणा की, फिर माहौल उत्साह और जोश से भर गया।

समारोह में सभी 18 छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थी अपने-अपने हास्टल की पहचान दर्शाते हुए रंग-बिरंगे परिधानों में मार्च पास्ट कर कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। कैलाश और महमूदाबाद हास्टल के विद्यार्थियों ने अद्भुत पिरामिड प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पहला मुकाबला महमूदाबाद हाल में वालीबाल प्रतियोगिता से हुआ। इस मुकाबले में महमूदाबाद, आचार्य नरेंद्र देव, होमीजहांगीर भाभा, लाल बहादुर शास्त्री, कौटिल्य और सुभाष छात्रावास की टीमें आमने-सामने थीं। शुरुआती राउंड के बाद महमूदाबाद हाल और कौटिल्य हाल की टीम फाइनल में पहुंच गई। इसी तरह, छात्राओं के बीच वालीबाल मुकाबला कैलाश हाल में हुआ। शुभारंभ में प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, संस्कृतिकी निदेशिका प्रो. अंचल श्रीवास्तव, आइपीपीआर निदेशक प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, लखनऊ एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन डा. आरबी सिंह, हबीबुल्लाह छात्रावास के प्रोवोस्ट डा. महेंद्र अग्निहोत्री सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

इंटर हास्टल प्रतियोगिता का हबीबुल्लाह हास्टल में शुभारंभ करते परिवहन राज्य मंत्री दया शंकर सिंह साथ में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व अन्य•जागरण

कौन बनेगा चैंपियन : फेस्ट के पहले ही दिन छात्रावासों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। हर कोई अपने छात्रावास का परचम ऊंचा करने के लिए जी-जान से मेहनत कर रहा है। अगले कुछ दिनों तक सांस्कृतिक, साहित्यिक और खेल प्रतियोगिताओं की धूम मचेगी, जिसमें यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार कौन-सा छात्रावास सबसे ज्यादा ट्राफियां जीतकर विजेता बनता है।

10 दिनों तक चलेगा फेस्ट, तीन वर्गों में बंटी प्रतियोगिताएं : छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि यह फेस्ट 10 दिनों तक चलेगा, जिसमें इंडोर और आउटडोर दोनों तरह की प्रतियोगिताएं होंगी। इसमें सांस्कृतिक प्रतियोगिता में सोलो डांस, ग्रुप डांस, सोलो सिंगिंग, मुशायरा, स्किट, रंगोली, मिमिक्री और कुकिंग है। साहित्यिक प्रतियोगिता में डिबेट, जस्ट ए मिनिट, क्विज, पोस्टर मेकिंग, स्वरचित कविता और शायरी होगी। खेलकूद प्रतियोगिता में क्रिकेट, कबड्डी, बैडमिंटन, वालीबाल, रस्साकशी, रिले रेस, ट्रैक इवेंट्स, चेस, कैरम और टेबल टेनिस होगा।

ऐसे सपने हों, जो उन्हें सोने न दें : हबीबुल्लाह हास्टल में पहुंचे परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह पुराने दिनों में खो गए। बोले, छात्र जीवन में यही छात्रावास आवंटित किया गया था। यह छात्रावास कई यादें संजोए हुए है। यहीं से लखनऊ विश्वविद्यालय में अपना सफर शुरू किया था। आज, एक छात्र के रूप में नहीं, बल्कि एक मंत्री के रूप में यहां खड़े होना उनके लिए गौरव और भावनात्मक जुड़ाव का क्षण है, जो उनकी छात्र से मंत्री बनने की यात्रा का प्रतीक है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में विभागों ने नामित किए 49 स्वयम मेंटर्स

जासं • लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्वयम (स्टडी वेब्स आफ एक्टिव लर्निंग फार यंग एस्पयरिंग माइंड्स) के माध्यम से मूक्स (मैसिव ओपन आनलाइन कोर्स) के कार्यान्वयन के लिए हर विभागों से एक शिक्षक को मेंटर नामित कर दिया है। विश्वविद्यालय ने कुल 49 मेंटर्स की सूची उनके नाम व मोबाइल नंबर के साथ अपनी वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ पर अपलोड कर दी है। इन सभी को स्वयम से संबंधित गतिविधियों के लिए स्वयम समन्वयक डा. किरण लता डंगवाल के साथ समन्वय स्थापित करना होगा। विश्वविद्यालय ने इन मेंटर्स के कार्य का भी विवरण जारी किया है। गौरतलब है कि विद्यार्थियों को अपने कोर्स का 40 प्रतिशत भाग स्वयम के माध्यम से आनलाइन पूरा करने का मौका दिया गया है।

स्वयम आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन 22 को

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्वयम आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन 22 फरवरी को दोपहर तीन बजे से एपी सेन हाल में आयोजित होगा। इसमें विश्वविद्यालय से जुड़े सभी विभागाध्यक्षों, समन्वयकों, निदेशकों, स्वयम मेंटर्स, संबद्ध कालेजों के प्राचार्यों और स्वयम नोडल अधिकारियों को आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयं पाठ्यक्रमों को अकादमिक पाठ्यक्रमों में एपीवृत करने और उन्हें प्रभावी रूप से लागू करने की प्रक्रिया को समझाना है। इससे विद्यार्थियों को आनलाइन शिक्षा का अधिक लाभ मिलेगा और उनकी सीखने की प्रक्रिया और समृद्ध होगी।

लविः प्रो. गीतांजलि मिश्रा को मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

जासं • लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय में डीन एकेडमिक्स एवं प्राणी विज्ञान विभाग की प्रो. गीतांजलि मिश्रा को रायल एंटोमोलजिकल सोसायटी, यूके की फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। यह इस सम्मान को पाने वाली लखनऊ विश्वविद्यालय की पहली संकाय सदस्य बन गई हैं।

रायल एंटोमोलजिकल सोसायटी कीट विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित संस्थाओं में से एक है। यह सम्मान उन विज्ञानियों को दिया जाता है जिन्होंने कीट विज्ञान में असाधारण योगदान दिया हो। प्रो. गीतांजलि मिश्रा को यह फेलोशिप उनके लेडीबर्ड बीटल पर किए गए शोध के लिए प्रदान की गई है, जिसमें उन्होंने इन कीटों के जैविक नियंत्रण और विकासवादी पहलुओं पर महत्वपूर्ण अध्ययन किए हैं। उनका शोध मुख्य रूप से जैविक कीट नियंत्रण पर केंद्रित है। उन्होंने कृषि फसलों को एफिड संक्रमण से बचाने के लिए लेडीबर्ड बीटल के उपयोग को बढ़ावा दिया।

प्रो. गीतांजलि

• रायल एंटोमोलजिकल सोसायटी, यूके की फेलोशिप पाने वाली लवि की पहली संकाय सदस्य

लवि : प्रो. कमल कुमार फिर बने सेंटर के निदेशक

लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. कमल कुमार को मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर के निदेशक पद की फिर जिम्मेदारी सौंपी है। यह पहले भी दो बार निदेशक रह चुके हैं। अभी तक इस सेंटर का नाम यूजीसी-ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (एचआरडीसी) था। (जासं)

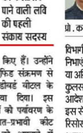

प्रो. कमल कुमार

आयोजन | एलयू में 10 दिवसीय चतुर्थ अंतर छात्रावास प्रतियोगिता उत्सव 2025 शुरू, कुलपति ने आसमान में गुब्बारे छोड़कर उत्सव का आगाज किया

हबीबुल्लाह हॉस्टल से शुरू किया था एलयू में सफरः दया शंकर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में चतुर्थ अंतर छात्रावास प्रतियोगिता उत्सव 2025 का आगाज भूमवार से हुआ। हबीबुल्लाह छात्रावास में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और मुख्य अतिथि परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दया शंकर सिंह ने मशाल जलाकर और आसमान में गुब्बारे उड़ाकर 10 दिवसीय फेस्ट का शुभारंभ किया।

इससे पहले सभी 18 छात्रावासों के चयनित छात्र कई रंगों के परिधान पहनकर मार्चपास्ट करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचे। कैलाश और महमूदाबाद छात्रावास के विद्यार्थियों ने आकर्षक पिरामिड प्रस्तुत किया।

इस दौरान विवि के पूर्व छात्र और परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि छात्र जीवन में उन्हें हबीबुल्लाह हॉस्टल आवंटित किया गया था। यह हॉस्टल उनके लिए अनेक यादें संजोए हुए है क्योंकि यहीं से उन्होंने एलयू में अपना सफर शुरू किया था। प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, संस्कृतिकी निदेशिका प्रो. अंचल श्रीवास्तव, आईपीपीआर निदेशक प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. वीके शर्मा समेत अन्य मौजूद रहे।

- 18 छात्रावासों के छात्रों ने किया मार्चपास्ट
- फेस्ट के तहत पहले दिन हुए विभिन्न आयोजन
- विद्यार्थियों ने आकर्षक पिरामिड प्रस्तुत किया

लखनऊ विश्वविद्यालय में चतुर्थ अंतर छात्रावास प्रतियोगिता उत्सव बुधवार से शुरू हुआ। इस मौके पर परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दया शंकर सिंह मौजूद रहे।

महमूदाबाद, कौटिल्य छात्रावास फाइनल में

फेस्ट के तहत सबसे पहले महमूदाबाद हॉल में वॉलीबाल प्रतियोगिता हुई। इसमें महमूदाबाद, आचार्य नरेन्द्र देव, होमीगीर भाभा, लाल बाहादुर शास्त्री, कौटिल्य, सुभाष छात्रावासों की टीम ने प्रतिभाग किया। प्रथम वरण के बाद महमूदाबाद हॉल और कौटिल्य हॉल की टीम वॉलीबाल के फाइनल में पहुंची। जानकारी के अनुसार इसी तरह छात्राओं के लिए वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन कैलाश हॉल में हुआ।

एलयू में प्रो. कमल बने एमएमटीटीसी के निदेशक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में प्रो. कमल कुमार को मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र का निदेशक बनाया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अनुमति के बाद कुलसचिव ने बुधवार को इसका पत्र जारी कर दिया। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि वह पदभार ग्रहण करने की तिथि से लेकर अगले तीन वर्ष या आदेश तक पद पर बने रहेंगे।

प्रो. गीतांजलि को रॉयल एंटोमोलॉजिकल फेलोशिप

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा को रॉयल एंटोमोलॉजिकल सोसाइटी (आरईएस) यूके की प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। विवि के प्राणिशास्त्र विभाग स्थित स्कूल ऑफ एंटोमोलॉजी की प्रो. गीतांजलि यह सम्मान पाने वाली पहली संकाय सदस्य बन गई हैं। 1883 में स्थापित आरईएस कीट विज्ञान के उन्नयन के लिए समर्पित विश्व की सबसे प्रतिष्ठित संस्थाओं में से एक है।

i-NEXT PAGE 4

प्रो. गीतांजलि को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला

LUCKNOW: लखनऊ विश्वविद्यालय में डीन एकेडमिक्स एवं प्राणी विज्ञान विभाग की प्रो. गीतांजलि मिश्रा को रायल एंटोमोलाजिकल सोसायटी, यूके की प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया है. वह इस सम्मान को पाने वालीं लखनऊ विश्वविद्यालय की पहली संकाय सदस्य बन गई हैं. विश्वविद्यालय और भारतीय कीट विज्ञान (एंटोमोलाजी) के लिए यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है.

1833 में हुई स्थापना

रायल एंटोमोलाजिकल सोसायटी की स्थापना 1833 में हुई थी. यह कीट विज्ञान के क्षेत्र में दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित संस्थाओं में से एक है. यह सम्मान उन विज्ञानियों को दिया जाता है जिन्होंने कीट विज्ञान में असाधारण योगदान दिया हो. प्रो. गीतांजलि मिश्रा को यह फेलोशिप उनके लेडीबर्ड बीटल पर किए गए शोध के लिए प्रदान की गई है, जिसमें उन्होंने इन कीटों के जैविक नियंत्रण और विकासवादी पहलुओं पर महत्वपूर्ण अध्ययन किए हैं. उनका शोध मुख्य रूप से जैविक कीट नियंत्रण पर केंद्रित है. उन्होंने कृषि फसलों को एफिड संक्रमण से बचाने के लिए लेडीबर्ड बीटल के उपयोग को बढ़ावा दिया.

प्रो.कमल कुमार फिर बने निदेशक

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW: एलयू के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने राजनीति विज्ञान विभाग के प्रो. कमल कुमार को मालवीय मिशन टीचर्स ट्रेनिंग सेंटर के निदेशक पद की फिर जिम्मेदारी सौंपी है.

तीन साल के लिए

वह यह जिम्मेदारी अपने विभागीय कार्यों के साथ-साथ निभाएंगे. उनका कार्यकाल तीन वर्ष या अग्रिम आदेशों तक मान्य होगा. कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इसका आदेश जारी कर दिया है. अभी तक इस सेंटर का नाम यूजीसी-ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर था.

PIONEER PAGE 3

परिवहन मंत्री ने किया इंटर हॉस्टल कॉम्पीटिशन फेस्ट-2025 का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय में बुधवार को इंटर हॉस्टल कॉम्पीटिशन फेस्ट-2025 का शुभारंभ हबीबुल्लाह हॉस्टल में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि दया शंकर सिंह एवं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मशाल जलाकर और गुब्बारे आसमान में उड़ाकर फेस्ट के शुभारंभ की घोषणा की। कैलाश एवं महमूदाबाद हॉस्टल के अंतःवासियों ने अत्यंत आकर्षक पिरामिड प्रस्तुत किया। समारोह में चीफ प्रोवोस्ट प्रो अनूप कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। डॉ महेंद्र अग्निहोत्री ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस मौके पर परिवहन राज्य मंत्री दयाशंकर सिंह ने पुरानी यादों को ताजा करते हुए कहा कि उन्हें छात्र जीवन में हबीबुल्लाह हॉस्टल आवंटित किया गया था, जो आज इस उद्घाटन समारोह का स्थल है। यह हॉस्टल उनके लिए अनेक यादें संजोए हुए है, क्योंकि यहीं से उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय में अपना सफर शुरू किया था। आज, एक छात्र के रूप में नहीं, बल्कि एक मंत्री के रूप में यहां खड़े होना उनके लिए गौरव और भावनात्मक जुड़ाव का क्षण है, जो उनकी छात्र से मंत्री बनने की यात्रा का प्रतीक है। उद्घाटन सत्र में सभी 18 छात्रावासों के चयनित अंतःवासी मार्च पास्ट करते हुए कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न रंगों के परिधान में शामिल हुए। इसके बाद मुख्य अतिथि एवं कुलपति ने मशाल जलाकर और गुब्बारे आसमान में उड़ाकर फेस्ट के शुभारंभ की घोषणा की। कैलाश एवं महमूदाबाद हॉस्टल के अंतःवासियों ने अत्यंत आकर्षक पिरामिड प्रस्तुत किया। समारोह में चीफ प्रोवोस्ट प्रो.अनूप कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसी कड़ी में फेस्ट के तहत सबसे पहले महमूदाबाद हॉल में छात्रों के लिए वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का आयोजन कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय द्वारा किया गया। वहीं,प्रतियोगिता में महमूदाबाद, आचार्य नरेन्द्र देव, होमीगीर भाभा, लालबहादुर शास्त्री, कौटिल्य, सुभाष छात्रावासों की टीम ने प्रतिभाग किया। प्रारंभिक चरण के बाद महमूदाबाद हॉल एवं कौटिल्य हॉल की टीम वॉलीबाल के फाइनल में पहुंची। इसी तरह छात्राओं के वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन कैलाश हॉल में हुआ। कार्यक्रम में प्रतिकुलपति प्रो.मनुका खन्ना, मुख्य कुलानुशासक प्रो.राकेश द्विवेदी, संस्कृतिकी निदेशिका प्रो.अंचल श्रीवास्तव, आईपीपीआर निदेशक प्रो.दुर्गेश श्रीवास्तव, लखनऊ एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ.आरबी सिंह और जनरल सेक्रेटरी प्रो.अजय आर्य, लूटा महामंत्री डॉ.अनित्य गौरव, इंजीनियरिंग फैकल्टी के डीन प्रो.एके सिंह, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सभी सदस्य, समस्त प्रोवोस्ट और असिस्टेंट प्रोवोस्ट उपस्थित थे।

हॉस्टल उनके लिए अनेक यादें संजोए हुए है, क्योंकि यहीं से उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय में अपना सफर शुरू किया था। आज, एक छात्र के रूप में नहीं, बल्कि एक मंत्री के रूप में यहां खड़े होना उनके लिए गौरव और भावनात्मक जुड़ाव का क्षण है, जो उनकी छात्र से मंत्री बनने की यात्रा का प्रतीक है। उन्होंने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के नेतृत्व में लखनऊ विश्वविद्यालय की तेजी से हो रही प्रगति को रेखांकित किया और इस बात पर जोर दिया कि यह उत्तर प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है जिसे नैक द्वारा ए डबल प्लस की रैंकिंग प्राप्त हुई है। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस खेल महोत्सव की सराहना की, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा। उन्होंने स्वस्थ मानसिकता के महत्व पर जोर दिया, जो खेल और टीम वर्क के माध्यम से विकसित होती है। फेस्ट के अन्तर्गत सर्वप्रथम महमूदाबाद हॉल में छात्रों के लिए वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतिस्पर्धा में महमूदाबाद, आचार्य नरेन्द्रदेव, होमीगीर भाभा, लालबहादुर शास्त्री, कौटिल्य, सुभाष छात्रावासों की टीम ने प्रतिभाग किया। प्रारंभिक चरण के बाद महमूदाबाद हॉल एवं कौटिल्य हॉल की टीम वॉलीबाल के फाइनल में पहुंच गई । छात्राओं के वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन कैलाश हॉल में किया गया। कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो मनुका खन्ना, मुख्य कुलानुशासक प्रो राकेश द्विवेदी, संस्कृतिकी निदेशिका प्रो अंचल श्रीवास्तव, आईपीपीआर निदेशक प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव, लखनऊ एथलेटिक एसोसिएशन के चेयरमैन डॉ आर बी सिंह और जनरल सेक्रेटरी प्रो अजय आर्य, लूटा महामंत्री डॉ अनित्य गौरव, इंजीनियरिंग फैकल्टी के डीन प्रो के सिंह, प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सभी सदस्य, सभी प्रोवोस्ट और असिस्टेंट प्रोवोस्ट उपस्थित थे।

TOI PAGE 2

LU battles fund crisis as pie of govt budget yet to come

Delay Hinders Promotions & Appointments

Mohita.Tewari@timesofindia.com

Lucknow: Lucknow University is unable to make fresh appointments and promote its existing teachers due to the fund crisis in the wake of delayed disbursement of the sanctioned budget by the state govt.

LU has a total of Rs 220 crore salary expenditure for its teaching and non-teaching employees, of which Rs 50 crore is allocated by the state govt in its budget, while the remaining is managed by the university through examination fees, admissions, and other resources.

Of Rs 50 crore sanctioned by the state govt in the previous financial year (2024-25), the govt has only released around Rs 30 crore so far.

Due to the financial crisis, the university is unable to fill around 25 vacant professor posts, while around 70 teachers are waiting for their promotions.

"If vacant professor posts are filled, it will not only strengthen our teaching but also make respective departments stand out in the state and the country," said Anitya Gaurav, general secretary, Lucknow University Teachers' Association.

He said that in one of the best performing departments, social science, there are 8 posts, of which five posts are of associate professor and professor only, and appointing them is a big financial liability as the salary of a professor is over Rs 2.5 lakh.

"Also, pending promotions for years have to be made along with the payment of pending arrears, which is another financial challenge," he added.

"We have been pursuing the state govt to release the grant but have got no success so far," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

FUND CRISIS & ITS COST

- Total salary expenditure ₹220cr for teaching & non-teaching employees
- Sanctioned budget ₹50cr allocated for salaries in previous financial year
- Pending amount ₹20cr of sanctioned budget remains unreleased

IMPACT OF VACANT POSTS

- Impact on academic activities Vacant teaching posts may weaken the university's teaching and research capabilities
- Impact on rankings Delayed promotions and vacant posts may affect the university's rankings
- Loss of projects and grants Vacant posts may result in missed opportunities for projects and grants